

अध्याय 6: निर्माण उद्योग

6.1 निर्माण उद्योगों का परिचय

मुख्य अवधारणाएँ:

- **निर्माण उद्योग:** ऐसे उद्योग जो मशीनरी और श्रम का उपयोग करके कच्चे माल को तैयार माल में परिवर्तित करते हैं।
- **अर्थव्यवस्था में भूमिका:** सकल घरेलू उत्पाद (GDP), रोज़गार और निर्यात आय में योगदान करते हैं।
- **वर्गीकरण:**
- **प्राथमिक क्षेत्र:** कच्चे माल का निष्कर्षण (जैसे कृषि, खनन)।
- **द्वितीयक क्षेत्र:** कच्चे माल को माल में संसाधित करना (जैसे वस्त्र, इस्पात)।
- **तृतीयक क्षेत्र:** सेवाएँ प्रदान करना (जैसे बैंकिंग, परिवहन)।
- **उदाहरण:** वस्त्र, लौह और इस्पात, ऑटोमोबाइल।

परीक्षा सुझाव:

- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के बीच अंतर समझें।
- ध्यान दें कि निर्माण उद्योग द्वितीयक क्षेत्र का हिस्सा कैसे हैं।

6.3 उद्योगों के प्रकार

1. वस्त्र उद्योग:

- **विशेषताएँ:** हल्का उद्योग, कपास, जूट, रेशम का उपयोग।
- **उदाहरण:** सूत कताई, बुनाई, रंगाई।
- **स्थान:** सस्ते श्रम की आवश्यकता (जैसे मुंबई, अहमदाबाद)।

2. लौह और इस्पात उद्योग:

- **विशेषताएँ:** भारी उद्योग, लौह अयस्क, कोयला, चूना पात्तर का उपयोग।
- **उदाहरण:** टाटा स्टील, राउरकेला स्टील प्लांट।
- **स्थान:** कच्चे माल के निकटता की आवश्यकता (जैसे छोटानागपुर)।

3. भारी उद्योग:

- **उदाहरण:** जहाज निर्माण, मशीनरी, सीमेंट।
- **स्थान:** प्रचुर कच्चे माल और परिवहन सुविधाओं की आवश्यकता।

4. हल्का उद्योग:

- **उदाहरण:** खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र।
- **स्थान:** बाजारों या श्रम स्रोतों के निकट।

5. कृषि-आधारित उद्योग:

- **उदाहरण:** चीनी, कपास, डेयरी।
- **स्थान:** कृषि क्षेत्रों के निकट।

6. वन-आधारित उद्योग:

- **उदाहरण:** कागज, फर्नीचर, बीड़ी।
- **स्थान:** वनों या लकड़ी स्रोतों के निकट।

7. खनिज-आधारित उद्योग:

- **उदाहरण:** सीमेंट, एल्युमिनियम, कोयला।
- **स्थान:** खनिजों और ऊर्जा तक पहुँच की आवश्यकता।

परीक्षा सुझाव:

- प्रत्येक प्रकार के लिए **स्थान कारकों** पर ध्यान दें (जैसे खनिज-आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल)।
- प्रत्येक श्रेणी के **उदाहरण** याद रखें।

6.4 औद्योगिक स्थान को प्रभावित करने वाले कारक

मुख्य कारक:

1. श्रम:

- कुशल/अकुशल श्रमिकों की आवश्यकता।
- सस्ता श्रम उद्योगों को आकर्षित करता है (जैसे पश्चिम बंगाल में वस्त्र मिलें)।

1. ऊर्जा:

2. बिजली, कोयला, जलविद्युत।
3. ऊर्जा स्रोतों के निकट उद्योग (जैसे कोयला खानों के निकट ताप विद्युत संयंत्र)।

4. बाजार:

5. उपभोक्ताओं के निकटता से परिवहन लागत कम होती है।
6. उदाहरण: शहरों के निकट ऑटोमोबाइल उद्योग।

7. परिवहन:

8. रेलवे, सड़कें, बंदरगाह।
9. परिवहन केंद्रों के निकट उद्योग (जैसे निर्यातोन्मुख उद्योगों के लिए बंदरगाह)।

10. कच्चा माल:

11. परिवहन लागत कम करता है।
12. उदाहरण: गन्ने के खेतों के निकट चीनी मिलें।

परीक्षा सुझाव:

- **आरेख:** स्थान को प्रभावित करने वाले कारकों (जैसे कच्चा माल, परिवहन, बाजार) को दर्शाने वाला सरल मानचित्र बनाएँ।
- **संभावित प्रश्न:** "उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करें।"

6.5 भारत में औद्योगिक क्षेत्र

1. छोटानागपुर क्षेत्र:

- **मुख्य उद्योग:** कोयला, लौह अयस्क, तांबा, मैंगनीज।
- **स्थान:** झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा।
- **महत्व:** प्रमुख खनिज बेल्ट, भारी उद्योगों को समर्थन।

2. मुंबई-पुणे क्षेत्रः

- **मुख्य उद्योग:** वस्त्र, रसायन, ऑटोमोबाइल।
- **स्थानः:** महाराष्ट्र।
- **महत्वः:** बंदरगाहों और श्रम तक पहुँच के साथ औद्योगिक केंद्र।

3. हुगली औद्योगिक क्षेत्रः

- **मुख्य उद्योगः** जूट, रेशम, चमड़ा।
- **स्थानः:** पश्चिम बंगाल (कोलकाता के आसपास)।
- **महत्वः:** नदी परिवहन के साथ प्रमुख जूट उत्पादक क्षेत्र।

परीक्षा सुझावः

- **मानचित्र प्रश्नः** मानचित्र पर इन क्षेत्रों की पहचान और लेबल करें।
- **मुख्य बिंदुः** क्षेत्रों से उद्योगों को जोड़ें (जैसे हुगली में जूट)।

6.6 औद्योगिकरण की चुनौतियाँ और प्रभाव

1. प्रदूषणः

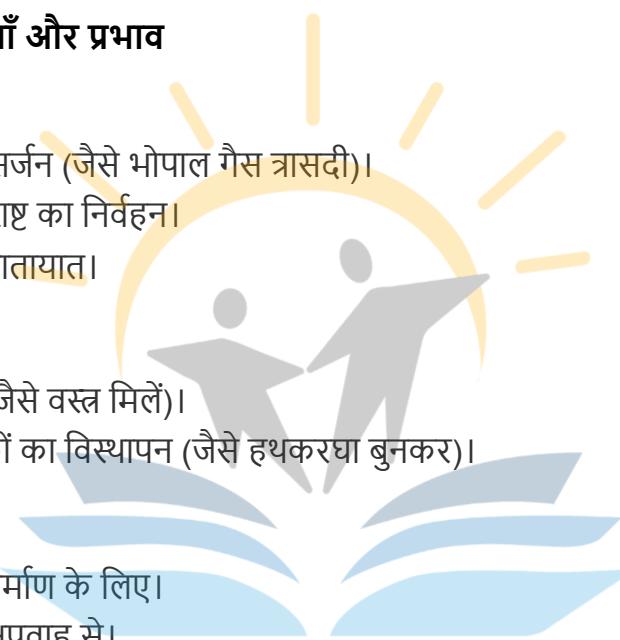
- **वायु प्रदूषणः** कारखानों से उत्सर्जन (जैसे भोपाल गैस त्रासदी)।
- **जल प्रदूषणः** औद्योगिक अपशिष्ट का निर्वहन।
- **ध्वनि प्रदूषणः** मशीनरी और यातायात।

2. रोज़गारः

- **सकारात्मकः** रोज़गार सृजन (जैसे वस्त्र मिलें)।
- **नकारात्मकः** पारंपरिक श्रमिकों का विस्थापन (जैसे हथकरघा बुनकर)।

3. पर्यावरणीय मुद्देः

- **वनों की कटाईः** खनन और निर्माण के लिए।
- **मृदा अवक्रमणः** रासायनिक अपवाह से।



SATHEE

सरकारी उपायः

- **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT):** पर्यावरणीय विवादों को संभालता है।
- B- **प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमः** औद्योगिक अपशिष्ट निपटान को नियंत्रित करते हैं।

परीक्षा सुझावः

- **संभावित प्रश्नः** "औद्योगिकरण की चुनौतियों पर चर्चा करें।"
- **महत्वपूर्ण बिंदुः** प्रदूषण के प्रकार और सरकारी पहलों पर प्रकाश डालें।

अंतिम परीक्षा सुझावः

- **औद्योगिक क्षेत्र और उनके मुख्य उद्योगों** को दोहराएँ।
- **स्थान को प्रभावित करने वाले कारकों** पर प्रश्नों का अभ्यास करें।
- प्रत्येक विषय के लिए **उदाहरणों** पर ध्यान दें (जैसे खनिज-आधारित उद्योगों के लिए छोटानागपुर)।
- परिवहन और कच्चे माल जैसे कारकों के लिए **आरेखों** का उपयोग करें।

{}

निर्माण उद्योग किस क्षेत्र से संबंधित है?

- प्राथमिक क्षेत्र
- द्वितीयक क्षेत्र
- तृतीयक क्षेत्र
- चतुर्थ क्षेत्र

निम्नलिखित में से संयुक्त क्षेत्र उद्योग का उदाहरण कौन सा है?

- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
- टाटा समूह
- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन
- चीनी मिलें

कौन सा उद्योग हल्के उद्योग के रूप में वर्गीकृत है?

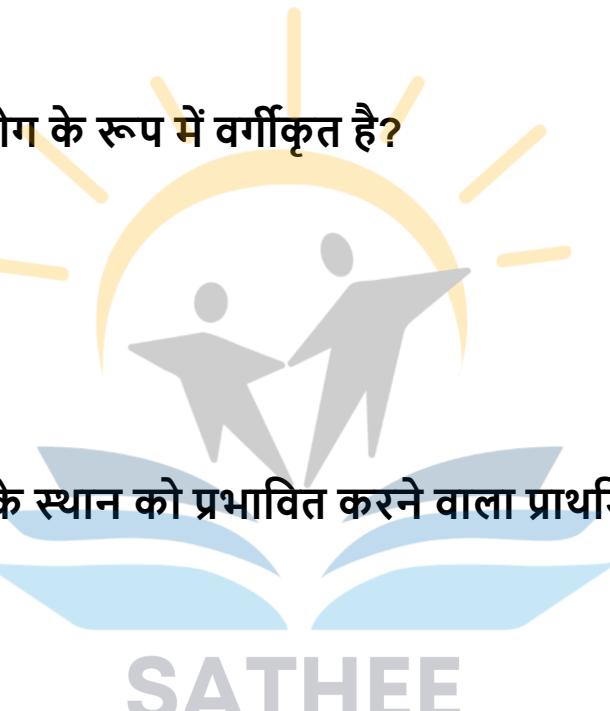
- जहाज निर्माण
- खाद्य प्रसंस्करण
- लौह एवं इस्पात
- सीमेंट उत्पादन

खनिज-आधारित उद्योग के स्थान को प्रभावित करने वाला प्राथमिक कारक क्या है?

- श्रमिकों की निकटता
- कच्चे माल की उपलब्धता
- बाजारों तक पहुंच
- बंदरगाहों की उपस्थिति

भारत में कौन सा औद्योगिक क्षेत्र कोयला और लौह अयस्क उत्पादन के लिए जाना जाता है?

- मुंबई-पुणे क्षेत्र
- हुगली औद्योगिक क्षेत्र
- छोटानागपुर क्षेत्र
- तमिलनाडु क्षेत्र



कारखानों से उत्सर्जन के कारण कौन सा प्रदूषण होता है?

- जल प्रदूषण
- मृदा क्षरण
- वायु प्रदूषण
- ध्वनि प्रदूषण

अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्र की क्या भूमिका है?

- कच्चे माल को वस्तुओं में परिवर्तित करना
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन
- सेवाएं प्रदान करना
- कृषि उत्पादों का उत्पादन

कौन सा उद्योग आमतौर पर लघु-स्तरीय उत्पादन से जुड़ा है?

- इस्पात संयंत्र
- हथकरघा बुनकर
- ऑटोमोबाइल निर्माण
- सीमेंट उद्योग

अर्थव्यवस्था के लिए विनिर्माण उद्योगों का एक प्रमुख योगदान निम्नलिखित में से कौन सा है?

- कृषि उत्पादन में वृद्धि
- सकल घरेलू उत्पाद, रोजगार और निर्यात में योगदान
- तृतीयक क्षेत्र का विस्तार
- जनसंख्या वृद्धि में कमी

उद्योगों से संबंधित पर्यावरणीय विवादों को कौन सा सरकारी निकाय संभालता है?

- वाणिज्य मंत्रालय
 - केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
 - राष्ट्रीय हरित अधिकरण
 - विश्व व्यापार संगठन
- {}